हम अपनी कमियां नहीं देखते। जोगेश्वरी और ऐसी तमाम जगहों पर मुसलमान जहालत में जी रहा है। उसे देखकर कोई भी कहेगा कि ये कैसे मुसलमान हैं। मुसलमान अपनी लड़कियों को स्कूल नहीं भेजते। हमने कोशिश की कि स्कूल ऐसी लड़कियों के करीब हों, ताकि उनकी पढ़ाई छूटे न।

–फीरोज अशरफ, वरिष्ठ पत्रकार

नशे का कारोबार मुस्लिम इलाकों में ही है। मैं जब पुलिस की नौकरी में था, तब मैंने इसे करीब से देखा है। मैं किसी एजेंसी और सरकार पर आरोप तो नहीं लगाऊंगा, लेकिन यह हो रहा है। बच्चे स्कूल छोड़कर नशे का कारोबार कर रहे हैं। मैंने ऐसे 100 ड्रॉप आउट बच्चों को फिर से एडमिशन दिलवाया।

–शमशेर पठान, रिटायर्ड एसीपी

बच्चों की तालीम और दूसरे तमाम मामलों में अगर मुस्लिम तबके के राजनेता और शैक्षिणिक संस्थान चलाने वाले लोग साथ मिल जाएं तो हमें हमारे बच्चों के लिए सरकारों के आगे हाथ न फैलाने पड़े। ड्रॉप आउट बच्चों और जो नहीं पढ़ पा रहे, उन्हें आप अपने स्कूलों तक लाइए।

–मौलाना ऐजाज कश्मीरी, मेंबर, शिया वक्फ बोर्ड

मुस्लिम मोहल्ले और उनके लड़कों को पुलिस रेकॉर्ड में सेंसिटिव और ब्लैक लिस्टेड बताया जाता है। इससे उन्हें रोजगार के लिए लोन भी नहीं मिल पाता। शिपिंग इंडस्ट्री, लकड़ी के काम में मुसलमान हुआ करते थे, लैदर, फिसिंग और दूसरे तमाम किया करते थे, लेकिन अब हालात वैसे नहीं रहे।

–हाजी हैदर आजम, अध्यक्ष, मौलाना आजाद महामंडल

भिवंडी में मुसलमानों की तादाद 51 प्रतिशत है। महराष्ट्र के दूसरे हिस्सों में उर्दू आदि कौमी स्कूल बंद हो रहे हैं, जबकि भिवंडी में ऐसे नए स्कूल खुल रहे हैं। वहीं, स्कूलों में पंजीयन का ठाणे का आंकड़ा पूरे महाराष्ट्र में सबसे अधिक है। भिवंडी में स्कूलों में पंजीयन लगभग 100 प्रतिशत है। मुसलमान बच्चे पढ़ रहे हैं। हम ही वे लोग हैं, जिन्होंने मुल्क आजाद कराया। मैं अपने विद्यार्थियों से कहता हूं कि जब आजाद कराया है, इसे ठीक से चलाओ भी।

–जियाउर्रहमान अंसारी, शिक्षाविद

दो किनारे नहीं, दो धारें हैं हिंदू-मुसलमान

1857 का पहला स्वतंत्रता संग्राम हो या जंग-ए-आजादी हो, मुसलमानों का किरदार, उनकी वतनपरस्ती को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बाद में सरहद पर इस कौम ने सीने पर गोलियां खाईं, तो मुल्क के अंदर तमाम क्षेत्रों में अहम भूमिका निभाते हुए अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को भी बखूबी समझा। हिंदुस्तान के दूसरे कोनों में भले ही हालात बहुत बेहतर न कहे जा सकते हों, लेकिन मुंबई में मुसलमानों के इदारों को देखें, सिनेमा को देखें, कल्चरल और सोशल मूवमेंट को देखें, तो कह सकते हैं कि मुंबई को हर तरह से रौशन शहर बनाने में इस कौम की खास भूमिका है।

Firoj.Khan
@Timesgroup.com

नवभारत टाइम्स अपनी सामाजिक और पत्रकारीय जिम्मेदारियों को निभाते हुए पिछले कुछ समय से अलग-अलग समुदायों के प्रतिनिधियों से संवाद कर रहा है। इस बार मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि नवभारत टाइम्स के दफ्तर आए, तो उनके दुख, दर्द और शिकायतें भी सामने आईं। ज्यादातर प्रतिनिधियों का मानना था कि गंगा-जमुनी तहजीब के तौर हिंदू और मुसलमान किसी नदी के दो किनारे नहीं, दो धारें थीं, जो आजादी से पहले साथ मिलकर बह रही थीं और आजादी के बाद सियासत ने इन्हें बांटने की कोशिश की। कुछ सांप्रदायिक ताकतें ऐसा करने में सफल रहीं और समाज में हमें इसे बुरे असर देखने पड़े। इन प्रतिनिधियों ने कहा कि समाजों के साथ दोतरफा संवाद की जरूरत है। जरूरत है कि हम अपने दिलों को बड़ा करें और अपनी उसी गंगा-जमुनी तहजीब को फिर से बुलंद करें।

सैकड़ों हैं ऐजुकेशनल इदारे

कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री आरिफ नसीम खान कहते हैं कि मुंबई में मुसलमानों के सैकड़ों शैक्षणिक संस्थान हैं, जहां न सिर्फ गरीब मुस्लिम बच्चे पढ़ते हैं, बल्कि दूसरे समुदायों के बच्चों को भी प्रवेश दिया जाता है। अकेले अंजुमन-ए-इस्लाम के पचासों शैक्षणिक संस्थान हैं, जहां सभी को प्रवेश दिया जाता है। इसके अलावा अंजुमन खैरुल इस्लाम की कई शाखाएं हैं। बोरा कम्युनिटी के शैक्षणिक संस्थान हैं, कई अस्पताल हैं। जब मुसलमानों को मौका मिलता है तो वे ऐसे इदारे खड़े करते हैं और मुल्क की तरक्की में अपना किरदार निभाते हैं। आरिफ नसीम कहते हैं कि लेकिन सांप्रदायिक सद्भाव जिस तरह से मजबूत होना चाहिए था, वह नहीं हो पा रहा है। लोग एक-दूसरे को शक की निगाह से देख रहे हैं और कुछ लोग हैं जो इसे दिखा रहे हैं। आज वेज-नॉन वेज खाने पर बहस होती है। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में माइनॉरिटी के शैक्षणिक संस्थान मिलेंगे, लेकिन हमारा मानना है कि समाज और मुल्क की तरक्की के लिए सांप्रदायिक सद्भाव बहुत जरूरी है।

निर्णायक स्थिति में नहीं हैं मुसलमान

कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक मुजफ्फर हुसैन ने कहा कि मुसलमानों की समस्या सामाजिक और आर्थिक है। बंटवारे ने हमारे मुल्क और हमारी जेहनीयत पर बहुत असर डाला है। बंटवारे के बाद चुनिंदा लोग-जो सत्ता में हों, मीडिया में हों या जुडिशरी में, उनकी एक जेहनीयत बनी। यही लोग निर्णय लेने की स्थिति में हैं और नजरिया फिक्स है। कोई इलाका, जहां 30 प्रतिशत आबादी मुसलमानों की है और चुनाव क्षेत्रों का जब सीमांकन किया जाता है तो इन इलाकों को चार हिस्सों में बांट दिया जाता है, जिससे मुस्लिम लीडरशिप नहीं उभर पाती। संसद में भी यही जेहनीयत काम करती है। यहां वही पर्सेप्शन काम करता है, जो 1947 से आज तक एक कम्युनिटी के खिलाफ बनाया गया। किसी भी पर्सेप्शन को बदलने के लिए कोई एक कम्युनिटी काम नहीं कर सकती। लोकतंत्र के तीनों स्तंभों को काम करना पड़ेगा।

मुसलमान संख्या में कम, जेलों में ज्यादा

समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी ने कहा कि महाराष्ट्र में मुसलमानों की आबादी 12-13 पर्सेंट है, लेकिन यहां की जेलों में 36 पर्सेंट मुसलमान हैं। जेलों में ज्यादातर ऐसे लोग हैं, जिनपर पहले कोई सामान्य केस भी नहीं था। बाहर आने के लिए उनके पास पैसे नहीं हैं। कई ऐसे हैं, जिनको फांसी की सजा हो गई और बाद में वे बेकसूर निकले। मुंबई ट्रेन ब्लास्ट में जिन लोगों को पकड़ा गया था, जिन्हें सजा हुई। कहा गया कि इन लोगों के सीडीआर वहीं के मिले हैं, जहां-जहां ब्लास्ट हुए हैं। बाद में हाईकोर्ट के दखल से जब सीडीआर हासिल की तब पता चला कि ब्लास्ट के वक्त कोई मुंबई में था ही नहीं। कोई बिहार में था, तो कोई बंगाल में। आजमी ने कहा कि ट्रेन ब्लास्ट के मुसलमान आरोपी जब रिहा हुए तो मीडिया में खबरें नहीं आई, लेकिन जब पकड़े गए थे तब सारे टीवी चैनलों पर और अखबारों में यह खबर सुर्खियों में रही।

मीडिया से शिकायत

आसिम अंजुमन-ए-इस्लाम के अध्यक्ष जहीर काजी ने भी कहा कि साइलेंट कम्युनिटी जो अच्छा काम करती है, मेनस्ट्रीम मीडिया में उसका जिक्र ही नहीं होता। सकारात्मक खबरें नहीं छपतीं, जबकि नकारात्मक खबरें खूब छपती हैं। उन्होंने कहा कि यह सच है कि मुस्लिम समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती शिक्षा है। सरकार की शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर जो योजनाएं हैं, उन्हें लागू प्रशासन को करना है, लेकिन प्रशासन भेदभाव करता है।

हम एक ऐसे मुल्क में हैं, जिसकी 75 प्रतिशत आबादी मुस्लिम नहीं है। हम तमाम कल्चर के बीच रहते हैं। यहां कोई एक तरीका नहीं चल सकता। इस मुल्क को जुबान, मजहब और सूबों के नाम पर बांट दिया गया है। दूसरे समाजों में बड़ी तादाद में खुली जेहनीयत के लोग हैं। हमें अपने दिलों को खोल देना चाहिए।

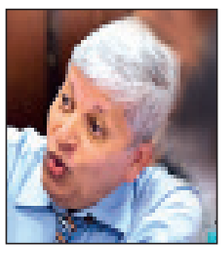

बांटने की साजिश

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि यह सच है कि मुसलमान शिक्षा के मामले में पिछड़ा हुआ है, लेकिन पिछले तीस साल में हालात बदले हैं। इस दौरान मुसलमान तालीम के मामले में देश के दूसरे तबकों से पीछे नहीं है। लेकिन कुछ ऐसी ताकतें भी हैं, जिसने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की हमेशा कोशिश की। मुसलमानों के बच्चों को साजिशन ड्रग्स में इनवॉल्व किया गया। सबसे ज्यादा ड्रग बेचने का काम मुसलमान इलाकों में हो रहा है। पूरे शहर में जहां-जहां मुसलमानों की आबादी है, वहीं ड्रग का कारोबार हो रहा है। यह एडिक्शन हमारे समाज में है, लेकिन शासन-प्रशासन इसे जानबूझकर खत्म नहीं करता।

यह बहुत जरूरी है कि इस दिशा में काम किया जाए। अखबारों की जिम्मेदारी बन जाती है कि वह मुसलमानों की सकारात्मक खबरों को जगह दें और एक माहौल बनाएं, जिससे नौजवान भटकें नहीं और शासन-प्रशासन के स्तर पर किए जाने वाला भेदभाव भी कम हो।

कोडिफाइड हो मुस्लिम पर्सनल लॉ

Rekha.khan@timesgroup.com

भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन की को-फाउंडर नूरजहां सफिया नियाज ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं अल्पसंख्यकों के बीच अल्पसंख्यक हैं। हमारी कई सामाजिक-आर्थिक दिक्कतें हैं, जिन पर काम भी हो रहा है। हमें समुदाय के लिए एकजुट होकर बहुत कुछ करने की जरूरत है। मैं यहां पर मुसलमान औरतों की बात करूंगी और हमें समझना जरूरी है कि हम औरत होने के नाते पीछे हैं, फिर गरीब औरत होना भी हमारे पिछड़ने का दूसरा कारण है। मुस्लिम समुदाय से होने के कारण हम पर कम्युनिटी का दबाव भी है। पहली बार मुस्लिम लॉ के कोडीफिकेशन की कोशिश 1937 में हुई थी। तब शरीयत ऐप्लिकेशन ऐक्ट आ गया और जिसके तहत कहा गया कि मुस्लिम समुदाय पर शरीया ऐक्ट लागू होगा। दूसरा कानून आया 1939 में, रेजोल्यूशन ऑफ मुस्लिम मैरेज ऐक्ट, जहां पर औरतों को तलाक देने का हक मिला। फिर 1986 में शाहबानो केस के बाद मुस्लिम प्रॉटेक्शन ऐक्ट आया। अगर आप ये दो मुद्दे ले लें, तो मुस्लिम समुदाय कोडिफाइड मुस्लिम फैमिली लॉ से महरूम है। हिंदू, सिख, जैन, क्रिश्चियन, पारसी समुदाय की तरह मुस्लिम पर्सनल लॉ कोडिफाइड नहीं है। आज 70 साल हो गए हैं और हिंदू कोड बिल की तरह हमारे पास मुस्लिम कोड बिल नहीं है, क्योंकि ऐतिहासिक और धार्मिक कारणों से उसे हाथ ही नहीं लगाने दिया गया है। मुस्लिम पर्सनल लॉ कुरान के मुताबिक कोडिफाइड होना चाहिए।

बेटियों को पढ़ाना बहुत जरूरी

एनसीपी की कॉर्पोरेटर डॉ. सईदा खान ने कहा कि मैं भी एक मुस्लिम महिला हूं और मैं बड़े फख्र के साथ कह सकती हूं कि आज मैं जो कुछ हूं अपने भाई नवाब मलिक के सहयोग की बदौलत हूं। मेरे माता-पिता पढ़े-लिखे नहीं थे, मगर उनकी दिली ख्वाहिश थी कि उनके बच्चे आगे बढ़ें और मेरे भाईजान ने मुझमें वह सलाइयत देखी। मुझे बेंगलुरु भेजा डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए, जहां मैं गोल्ड मेडलिस्ट रही। मैं डॉक्टर ही नहीं बनी, बल्कि कॉर्पोरेटर भी हूं। मुझे लगता है कि हमें अपनी मुस्लिम बेटियों और बहनों को सपोर्ट सिस्टम देना होगा। कॉर्पोरेटर होने के नाते मैंने एजुकेशन और हेल्थ पर काफी काम किया है। मेरे क्षेत्र के स्कूलों से ड्रॉप आउट रेट काफी कम हुआ है। हमें जागरूकता फैलानी होगी कि मुसलमान अपने बच्चों को स्कूल भेजें। शिक्षा के माधयम से हम अपने समुदाय का विकास कर सकते हैं।

12 राशियां और आपका दिन

मेष 21 Mar - 19 Apr
आज का दिन आप बहुत व्यस्त रहेंगे, ज्यादा भागदौड़ में सावधानी बरतें, पांव में चोट लगने का भय है। आपके निर्णय लेन की क्षमताओं का आज लाभ मिल सकता है। रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी। किसी काम में विनिमय करना पड़े, तो दिल खोलकर करें, आगे चलकर उसका भरपूर लाभ मिलेगा।

वृष 20 Apr - 19 May
आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नये अनुबंधों के द्वारा पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मिथुन 21 May - 21 Jun
आज आप फिजूल के खर्चे से बचें। यदि आप किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं, तो आज कष्ट की वृद्धि हो सकती है। सामाजिक क्रिया-कलापों में व्यवधान होगा। कुछ अकस्मात लाभ होने से आपकी आध्यात्म के प्रति रुचि सुदृढ़ होगी। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा।

कर्क
भाग्य की दृष्टि से आज का दिन उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। आज ननिहाल पक्ष से प्रेम एवं विशेष सहयोग मिलने की संभावना है। आज अपनी शानो शौकत के लिए धन खर्चा करेंगे, जिससे आपके शत्रु परेशान होंगे।

सिंह 23 July - 22 Aug
आज का दिन मिश्रित फलकारक है। मानसिक अशांति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दिन के उत्तरार्ध में राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से आज नाराजगी के संकेत मिलेंगे, मधुरवाणी का प्रयोग करें।

कन्या 23 Aug - 22 Sep
आज आपमें निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को संपन्न करने में सक्षम रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख सहयोग यथेष्ठ रूप से प्राप्त होगा। पत्नी को शरीर कष्ट से कुछ खिन्नता रह सकती है। व्यर्थ व्यय का योग भी है।

तुला 23 Sep - 22 Oct
आज का दिन आपके लिए शुभकारक है। आपके अधिकार व सम्पत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे। द्वितीय मन भाव में बृहस्पति वृश्चिक राशि का होकर विराजमान है। अतः आज आप अपने गुरु के प्रति पूर्ण भक्ति भाव व निष्ठा रखें।

वृश्चिक 23 Oct - 21 Nov
आज आपका मन अशांत एवं परेशान रहेगा। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। सांयकाल तक आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। यदि कोई वाद-विवाद राज्य में लंबित है, तो उसमें सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है।

धनु 22 Nov - 21 Dec
आज आपके ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। सांयकाल से लेकर रात्रिपर्यन्त पेट के विकार होने की संभावना है।

मकर 22 Dec - 19 Jan
आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति के साथ ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे, जोकि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से सम्मान मिलेगा। अपने व्यवसाय में भी आपका मन लगेगा एवं रुके कार्य पूर्ण हो जाएंगे। किसी नये कार्य में इनवेस्ट करना पड़े तो अवश्य करें।

कुंभ 20 Jan - 18 Feb
आज का दिन बुद्धि-विवेक से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। आपको अपने परिजनों से विश्वासघात होने की संभावना है। सांसारिक सुख भोग, नौकर-चाकरों का सुखपूर्ण रूप से मिलेगा।

मीन 19 Feb - 20 Mar
आज नवम भाव में वृश्चिक राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र-पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे संबंध बनाने की चेष्टा करेंगे। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा।

एस्ट्रोन्यूमरो मिरर

सद्गुरु स्वामी आनंदजी
(आध्यात्मिक गुरु एवं ज्योतिषीय चिंतक)

प्रश्न: मैं ट्यूटर के साथ रिलेशन में हूं, और उनसे शादी करना चाहती हूं। वो मुझसे 24 साल बड़े हैं। क्या उम्र का ये अंतर गलत है? क्या हमारा दांपत्य जीवन नॉर्मल रह सकेगा। जन्मतिथि- 10.05.1997, जन्म समय-14.09, जन्म स्थान- गंगटोक।

-निशा तमांग

उत्तर: सद्गुरुश्री कहते हैं कि आपकी राशि मिथुन और लग्न कन्या है। आपके पति स्थान में शनि की उपस्थिति जहां आपको शनि दोष से नवाज रही है, वहीं साथ में केतु की उपस्थिति उसकी तीव्रता में इजाफा कर रही है। राहु की सीधी सप्तम दृष्टि जहां दांपत्य जीवन में सतर्क रहने का संकेत दे रही है, वहीं अष्टम में बैठा सूर्य मान-प्रतिष्ठा और दांपत्य जीवन के लिए चुनौतियां प्रस्तुत करता नजर आ रहा है। इन सबके ऊपर सौ बात की एक बात की मंगल के व्यय में विराजने से आप मांगलिक भी हैं। स्थिति थोड़ी विचारणीय है। यद्यपि वैवाहिक मिलान के लिए वर-वधु दोनों के जन्म विवरण की आवश्यकता होती है, लेकिन मैं आपको इसी नहीं, बल्कि किसी भी प्रेम संबंध में फूंक-फूंक कर कदम रखने की सलाह देता हूं। उम्र में अंतर का प्रश्न ज्योतिषीय परिधि के बाहर है।

प्रश्न: मेरी बेटी नींद में चिल्लाने लगती है। वो अचानक से घबरा जाती है। डॉक्टर इसे सामान्य बताते हैं, पर हम बहुत ही ज्यादा डरे हुए हैं। क्या कुंडली में कारण और निवारण है? जन्म तिथि- 16.02.2010, जन्म समय- 09.26 प्रातः, जन्म स्थान- दिल्ली।

-कोमल ठाकुर

उत्तर: सद्गुरुश्री कहते हैं कि आपकी बेटी की राशि कुंभ और लग्न मीन है। विधाता का संकेत है कि मन का स्वामी चंद्रमा द्वादश भाव में बैठकर जहां उसे मानसिक रूप से बेहद संवेदनशील और कल्पनाशील बना रहा है, और उसकी निद्रा पर नकारात्मक असर डाल रहा है, वहीं आत्मबल का स्वामी षष्ठेश सूर्य भी व्यय भाव में ही विराजकर क्षणिक रूप से आत्मशक्ति का ह्रास करके भय निर्मित कर रहा है और बृहस्पति की बारहवें भाव में उपस्थिति अंतस को कमजोर बना रही है। पर आप चिंता कदापि न करें, यथासंभव चांदी के बर्तनों का प्रयोग (विशेषतः चम्मच और गिलास), शयन से पहले हस्त-मुख प्रच्छालन, गुड़, गेहूं और चने का दान लाभ प्रदान करेगा, ऐसा मैं नहीं, परंपराएं कहती हैं। उसके समक्ष किसी भी प्रकार के वाद-विवाद व उग्र वार्ता से बचें।

प्रश्न: किसी ने बताया है कि घर में वुडन फ्लोरिंग अनावश्यक टेंशन को जन्म देती है, क्योंकि ये ज्वलनशील होती है। क्या घर से सारी वुडन फ्लोरिंग निकलवा दूं?

-अदिति खेमका

उत्तर: सद्गुरुश्री कहते हैं कि वुडन फ्लोरिंग से टेंशन की मौलिक और काल्पनिक अवधारणा से मैं हैरत में हूं। नहीं, घर में लकड़ी का फर्श यानि वुडन फ्लोरिंग तनाव का कारक हर्गिज नहीं है। ज्वलनशील तो घर के चादर, परदे, कालीन और वस्त्र सबकुछ है। बल्कि इसके उलट, आग्नेय कोण यानि दक्षिण पूर्व दिशा में और दक्षिण-पश्चिम दिशा में वुडन फ्लोरिंग बेहद उत्तम फल प्रदान करती है। उत्तर-पूर्व दिशा में वुडन की जगह हल्के रंग का चमकदार फर्श का चयन लाभ प्रदान करने वाला है। अगर किसी कारणवश आप यहां भी लकड़ी की ही फर्श चाहते हैं, तो मैट की जगह लैमिनेटेड चमकदार यानि glossy फर्श का इस्तेमाल करें। ऐसा मैं नहीं, वास्तु के नियम कहते हैं।

नक्षत्र दर्शन

श्रवण नक्षत्र में जन्मे लोग बेहद खूबसूरत होते हैं। ये लोग भाग्य के धनी तो होते ही हैं, कर्मठ भी होते हैं। अपने कर्म और उसकी दिशा को लेकर ये लोग बेहद सजग रहते हैं। ये अपने माता-पिता से पूजा की हद तक प्रेम करते हैं, वो उनके प्रति गहरी निष्ठा व आदर के भाव से ओत-प्रोत होते हैं। वो स्वयं पर किए गए उपकार को आजन्म याद रखते हैं। इस नक्षत्र के लोग बेहद गुणी बहुमुखी प्रतिभा के धनी होते हैं। परोपकार में इन्हें बेहद रुचि होती है। ये अधिक या योग्य संतान का सुख भोगते हैं। आधी उम्र के पश्चात इन्हें समाज में संपन्न लोगों में शुमार किया जाता है।

नोटः अगर, आपकी कोई समस्या है, तो आप अपनी जन्म तारीख, जन्म समय और जन्म स्थान के साथ अपना सवाल **saddgurushri@gmail.com** पर मेल कर सकते हैं। **Subject: NBT Astro Numero** जरूर लिखें। चुनिंदा सवालों के जवाब छापे जाएंगे।

सप्ताह का ज्ञान

यदि कुंडली में चंद्रमा छठे, आठवें या बाहरवें भाव में हो, तो ऐसे लोग अपार धन पाकर भी धन के प्रति अक्सर चिंताजनक स्थिति में पहुंच जाते हैं। इनके धन फंसने या डूबने की संभावना अधिक होती है। इनका मन बार बार दुखी होता है। इनके घर में जल का अपव्यय होता है। इनका बाथरूम सदैव गीला गीला व बेहद सफाई के बाद भी गंदा रहता है।

टिप्स ऑफ द वीक

उपासना के समय वातावरण को सुगंधित रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है, ऐसा मैं नहीं प्राचीन ग्रंथ कहते हैं।

मुख्यद्वार के अंदर और बाहर हल्दी व केसर का स्वस्तिक आंतरिक भय को नष्ट करता है, ऐसा परंपराएं मानती हैं।

सुडोकू

9			1	5	7			2
				2				
		7	9	4	8	3		
	1	2				9	8	
		3				6		
	9	6				5	2	
		5	3	9	6	7		
				8				
6			7	1	4			5

जन्मदिन की शुभकामनाएं

राष्ट्रीय मिति माघ 02, शक संवत 1940 माघ कृष्णा द्वितीया मंगलवार विक्रम संवत 2075। सौर माघ मास प्रविष्टे 09, जमादि उल्लावल 15, हिजरी 1440 (मुस्लिम) तदनुसार अंग्रेजी तारीख 22 जनवरी सन 2019 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 निट तक। द्वितीया तिथि अर्धरात्रोत्तर 3 बजकर 26 मिनट तक, उपरांत तृतीया तिथि का आरंभ, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 11 बजकर 32 मिनट तक उपरांत मघा नक्षत्र का आरंभ, आयुष्मान योग अर्धरात्रोत्तर 2 बजकर 4 मिनट तक उपरांत सौभाग्य योग का आरंभ, तैतिल करण सायं 5 बजकर 16 मिनट तक उपरांत वणिज करण का आरंभ। चन्द्रमा रात्रि 11 बजकर 32 मिनट तक।

पंचांग (सोमवार, 14 जनवरी 2019)

मंगल चन्द्रमा और राहू वर्ष के स्वामी हैं। जनवरी के शेष पांच दिनों में अच्छी नौकरी के योग हैं। यदि आप किसी पुराने विवाद, मुकदमे में व्यस्त होंगे तो फरवरी में उन सबसे छुटकारा मिल जाएगा। कुछेक जातक जिनके जन्म कालीन ग्रह पेचीदा हैं, उनके लिए मार्च-अप्रैल तक विशेष परिश्रम के उपरांत संतोषजनक आर्थिक सफलता मिल जाएगी। जबकि व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा और आर्थिक तेजी-मंदी का प्रकोप मई से जुलाई के अंत तक झेलना पड़ेगा। कुछ लोगों को अगस्त से सितंबर तक अपने वाहन मशीनरी आदि का लाभ होगा। अक्टूबर में पुनः व्यापार में शैथिल्य रहेगा। नवंबर में व्यापार तेज होकर लाभ मिलेगा।

- आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

TELEVISION

big magic

09:00 बबलू डबलू	की गजब कहानी
11:00 रुद्र के रक्षक	16:30 प्यार मौहब्बत हैपी लकी
11:30 अलादीन	17:00 बबलू डबलू
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा	18:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
12:30 हम पांच	18:30 रुद्र के रक्षक
13:30 अकबर	
15:00 अजब देश	